व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

मधुमक्खी पालन

के लिए

स्वयं सहायता समूह - गायत्री परिवारटिक्कर

एसएचजी/सीआईजी नाम	गायत्री परिवार
वीएफडीएस नाम	तनिहार
रेंज	कमलाह
मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	6
5.	कार्यकारिणीसारांश	6
6.	डीआय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
7.	उत्पादनप्रक्रियाओं	7
8.	उत्पादनयोजना	7
9.	बिक्रीऔर मार्केटिंग	8
10.	स्वोटविश्लेषण	8-9
11।	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	9
12.	विवरणअर्थशास्त्र का	9-11
13.	एआय और व्यय का विश्लेषण	11
14.	फंडमांग	12
15.	सूत्रों का कहना हैनिधि का	12
16.	प्रशिक्षण/क्षमताभवन निर्माण/कौशल उन्नयन	12-13
17.	आय के अन्य स्रोत	13
18.	किनाराकर्ज का भुगतान	13
19.	निगरानीतरीका	13-14
20.	टिप्पणी	14
21.	समूह सदस्य की तस्वीरें	15
22.	समूह फोटो	16
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	17
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	18

1. परिचय-

गायत्री परिवारटिक्करएसएचजी का गठन हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के तहत किया गया, जो वीएफडीएस के अंतर्गत आता है।तनिहार और रेंज कमलाइस स्वयं सहायता समूह में 10 महिलाएं हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से मधुमक्खी पालन को अपनी आय सृजन गतिविधि (आईजीए) के रूप में अपनाने का फैसला किया। स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने के कारण शहद की मांग स्थानीय लोगों के साथ-साथ आस-पास के बाजार में भी बहुत अधिक है।

मधुमक्खियों को पालने का इतिहास 10,000 साल पुराना है और पारंपरिक रूप से यह शहद के लिए किया जाता रहा है।शहर की मक्खियां पालनेवालामधुमक्खियों को उनके भोजन को इकट्ठा करने के लिए रखता हैशहदऔर अन्य उत्पाद जो छत्ते से उत्पन्न होते हैं, जैसेमोम,एक प्रकार का पौधा,फूल पराग,मक्खी का पराग, औरशाही जैली, साथ ही साथसेचनफसलों को नुकसान पहुंचाने या अन्य मधुमक्खी पालकों को बेचने के लिए मधुमक्खियों का उत्पादन करना।

कृषि फार्म में मधुमक्खी का छत्ता रखना कोई नई बात नहीं है। शहद एक व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण उत्पाद है, और यह बात तो सभी जानते हैं कि शहद इकट्ठा करने के लिए लोग जंगल में जाते हैं। फार्म में मधुमक्खी का छत्ता रखने से किसानों को अतिरिक्त आय होती है। इसके अलावा, भारत में मधुमक्खी पालन शुरू करने के लिए बहुत ज़्यादा निवेश, बुनियादी ढांचे या उपजाऊ ज़मीन की भी ज़रूरत नहीं होती। मधुमक्खियाँ संसाधनों के लिए फसलों से प्रतिस्पर्धा नहीं करतीं। दूसरी ओर, इससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मधुमक्खियाँ कई पौधों के परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मधुमक्खियों द्वारा उत्पादित शहद का व्यावसायिक मूल्य बहुत ज़्यादा होता है। जब पारंपरिक तरीके से जंगलों से शहद इकट्ठा किया जाता है, तो मधुमक्खियों की कॉलोनियाँ नष्ट हो जाती हैं। कृत्रिम छत्तों में उन्हें पालने से कॉलोनियाँ सुरक्षित रहती हैं।

चूंकि लोग स्वस्थ जीवनशैली अपना रहे हैं, वे अपने आहार से हानिकारक शर्करा को खत्म करना चाहते हैं।और शहद गन्ने की चीनी का एक बढ़िया विकल्प हो सकता है.यह एक अच्छी आय सृजन गतिविधि है क्योंकिशहद की मांग कभी ख़त्म नहीं होगीऔर मानव स्वास्थ्य पर लाभकारी प्रभाव डालते हैं। मधुमक्खी पालन से सदस्यों को अच्छा रिटर्न मिलने का वादा किया जाता है, हालांकि, सफल मधुमक्खी फार्म के लिए अच्छी मात्रा में प्रशिक्षण और परीक्षणों की आवश्यकता होती है।

एक बार पर्याप्त अनुभव प्राप्त हो जाने के बाद अगला कदम मधुमक्खी पालन प्रक्रिया की योजना बनाना है। इसके लिए साइट, मधुमक्खी की किस्म, इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण और सबसे महत्वपूर्ण बात - विपणन का स्थान तय करना आवश्यक है।

पालन-पोषण स्थल पर स्वच्छ पेयजल स्रोत भी होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता यह है कि छत्तों के पास मधुमक्खियों के लिए प्रचुर मात्रा में चारा या पौधे होने चाहिए जो अमृत और पराग प्रदान करते हों।

मधुमक्खी पालन कोई असामान्य कार्य नहीं है और इसका बाजार भी बहुत बड़ा है, जो इसे बहुत अच्छी आय सृजन गतिविधि बनाता है।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	गायत्री परिवार
2.	वीएफडीएस	तनिहार
3.	रेंज	कमला
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	तनिहार
6.	ब्लॉक ऑफिस	धरमपुर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	10 महिलाएं
9.	गठन की तिथि	18-02-2015
10.	बैंक खाता सं.	33210105338
11।	बैंक विवरण	एचपी स्टेट को-ऑप बैंक तिहरा
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	100
13.	कुल बचत	121038
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रमांक।	नाम	एम/एफ	पिता/ पति का नाम	पद का नाम	वर्ग	शिक्षा	संपर्क नंबर।
1	सपना देवी	एफ	राकेश कुमार	अध्यक्ष	अनुसूचित जाति	10+2	7018686316
2	आशा देवी	एफ	वरुण राणा	सचिव	सामान्य	एमए बी.एड	7018149511
3	समस्या देवी	एफ	शशि पठानिया	सदस्य	सामान्य	एमए	9015176329
4	नीलम कुमारी	एफ	संजय पठानिया	सदस्य	सामान्य	बी ० ए	8219981452
5	रुक्मणी देवी	एफ	रोशन लाल	सदस्य	सामान्य	प्राथमिक	7807513460
6	कमला देवी	एफ	लेख राज	सदस्य	सामान्य	प्राथमिक	8580421675
7	प्रवाल कुमारी	एफ	अंकुर	सदस्य	सामान्य	बी ० ए	7018529390
8	शारदा देवी	एफ	जीवन लाल	सदस्य	सामान्य	प्राथमिक	8894959041
9	रीता देवी	एफ	ओम चंद	सदस्य	सामान्य	प्राथमिक	9459302423
10	प्रियंका	एफ	अंकुश	सदस्य	सामान्य	बी ० ए	7018118240

स्वयं सहायता समूह का नाम:गायत्री परिवार **वीएफडीएस:**तनिहार रेंज: कमलाह वन प्रभाग: जोगिंदर नगर

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	115 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	1 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	धरमपुर -15 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	सरकाघाट, मंडी- 25 किमी, 115 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी - 115 किमी सरकाघाट - 25 किमी धरमपुर- 15 किमी सैंडहोल -25 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	सरकाघाट, धरमपुर, संधोल, अवाह देवी, मंडी

5. कार्यकारी सारांश-

गायत्री परिवार टिक्कर स्वयं सहायता समूह द्वारा मधुमक्खी पालन आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की 10 महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। शहद उत्पादन की प्रक्रिया में लगभग 75 से 90 दिन लगते हैं। 1 बॉक्स से 3 किलोग्राम शहद प्राप्त होगा। 1 किलोग्राम शहद की बिक्री कीमत लगभग 500-600 रुपये प्रति किलोग्राम होगी।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	शहद
2	उत्पाद पहचान की विधि	यह गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा तय की गई है।इसके अलावा, बाजार में शहद की भी भारी मांग है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

- समूह द्वारा मधुमक्खियों द्वारा तैयार शहद का प्रसंस्करण किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष संचालित की जाएगी।

- शहद/मधुमक्खी पालन की प्रक्रिया 75 से 90 दिनों की होती है। उत्पादन प्रक्रिया में बॉक्स की सफाई, शहद की कटाई और कांच के जार में पैकिंग शामिल है।
- प्रारम्भ में समूह प्रत्येक तीन माह में 1.50 क्विंटल शहद प्राप्त करेगा तथा भविष्य में समूह मांग के अनुसार शहद प्राप्त करेगा तथा अन्य उत्पाद भी बनाएगा, जिनमें भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।
- चूंकि समूह में कुल 10 सदस्य हैं, इसलिए वे कार्य को कुशलतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। प्रत्येक मासिक बैठक में, वे प्रत्येक सदस्य के कार्य को विभाजित करेंगे और उनका मासिक उत्पाद लक्ष्य निर्धारित करेंगे और यदि आवश्यक हो तो सदस्य की भूमिका भी बदल सकते हैं।

8. उत्पादन योजना -

1.	उत्पादन चक्र	75-90 दिन
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या)	10 महिलायें
3.	कच्चे माल का स्रोत	निकटवर्ती जंगल/किसानों के खेत और फूलों के बगीचे।
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	जंगल में औषधीय फूल
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा (प्लेटें)	3 किलोग्राम प्रत्येक 75 से 90 दिन में प्रति बॉक्स
6.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (प्लेटें)	3 किलोग्राम प्रति बॉक्स कुल 1.50 क्विंटल प्रत्येक 75-90 दिन की अवधि

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक।	कच्चा माल	इकाई	मात्रा	मात्रा प्रति किलोग्राम	मात्रा
1.	शहद के बक्से	50	1.50 क्विंटल प्रत्येक 75-90 दिन	रु. 600	90,000/-

9. बिक्री और विपणन -

1	संभावित बाज़ार स्थान	सरकाघाट, धरमपुर, संधोल, अवाह देवी, मंडी
2	इकाई से दूरी	25 किमी, 15 किमी, 25 किमी, 35 किमी, 115 किमी
3	उत्पादन बाज़ार/स्थानों की मांग	शहद की मांग पूरे साल रहती है। संभावित मांग शादी-ब्याह, अन्य धार्मिक कार्यों में होगी।
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद को नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।

5	उत्पाद की विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से अपना उत्पाद बेचेंगे। इसके अलावा, खुदरा विक्रेता, पास के बाजारों के थोक विक्रेताओं के माध्यम से भी उत्पाद बेचा जाएगा। शुरुआत में उत्पाद 500 ग्राम, 1 किलोग्राम और 2 किलोग्राम की पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है।
7	उत्पाद "नारा"	"एसएचजी का एक उत्पाद- स्वीट हनी"

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।
  - क्षेत्र में अन्य समान उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा कम है।
  - एक अच्छी तरह से स्थापित ब्रांड बनने की उच्च संभावना.

- कमजोरी-
  - पुष्पन ऋतु में तापमान, आर्द्रता का प्रभाव।
  - नये स्वयं सहायता समूह को प्रबंधन एवं योजना बनाते समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।
  - अत्यधिक श्रम गहन कार्य.
- अवसर-
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
  - विवाह एवं अन्य समारोहों के दौरान इसकी मांग अधिक होती है।
  - नियमित मांग स्थानीय खाद्य स्टालों और सभी मौसमों में खरीदारों द्वारा खपत से आ सकती है।
- खतरे/जोखिम-
  - समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, उच्च जोखिम वहन क्षमता की कमी तथा समूह के सदस्यों के बीच श्रम वितरण में नेतृत्व की कमी।
  - फूल आने के समय तापमान, नमी का प्रभाव तथा विशेष रूप से सर्दियों और बरसात के मौसम में।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपनी भूमिका तय करेंगे और जिम्मेदारी निभाना काम। सदस्यों के बीच काम का बंटवारा उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार किया जाएगा

क्षमताएं.

- ❖ समूह के कुछ सदस्य शहद की कटाई में भी शामिल होंगे।
- ❖ कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
	प्रति बॉक्स			
1	डिब्बा	1	1600	1600
2	मधुमक्खी फ्रेम	8	400	3200
3	फ्रेम के साथ अतिरिक्त बॉक्स	10	-	1900
4	खड़ा होना	2	250	500
	कुल			7200
a.	**प्रति 5 बक्सों की कुल पूंजी लागत**			**36000**
5	मधुमक्खी का पर्दा	1	100	100
6	हाइव टूल	1	100	100
7	धूम्रपान न करने	1	600	600
8	दस्ताने	1	200	200
9	बाल्टी	10	200	2000
10	पूर्ण मधुमक्खी सूट		3000	3000
	कुल 5 बक्सों के एक सेट के लिए			**42000**
b.	**कुल दस सेट**	**10**	**42600**	**420000**
11	शहद निकालने वाला यंत्र	1	20000	20000
12	शहद निकालने वाली ट्रे	1	5000	5000
13	शहद निकालने वाला जाल	1	3500	3500
14	चाकू	2	200	400
c.	**कुल**			**448900**
कुल पूंजी लागत (ए) = सी		**448900**		

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	श्रम (एसएचजी सदस्यों द्वारा किया जाएगा)			-	-
2	खाद्य ग्रेडर प्लास्टिक जार	-	100	22	2200
3	परिवहन				3000
5	अन्य (स्टेशनरी, बिजली बिल, पानी बिल, मशीन मरम्मत)			-	3000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 8,200					

सी. उत्पादन की लागत		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	8,200
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	44890
कुल = 53,090		

डी. विक्रय मूल्य गणना (प्रति चक्र)				
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	मात्रा
1	उत्पादन की लागत	किलोग्राम	1	उत्पादन की मात्रा बढ़ने पर इसमें कमी आएगी
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	1	₹ 600-700
3	एसएचजी द्वारा अपेक्षित विक्रय मूल्य	किलोग्राम	1	₹ 600

13. आय एवं व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	44890
2	कुल आवर्ती लागत	8,200
3	कुल उत्पादन हर तीन महीने में	1.50 क्विंटल
4	विक्रय मूल्य (प्रति किलोग्राम)	600
5	हर तीन महीने में आय सृजन	90,000

6	शुद्ध लाभ (आय सृजन- कुल आवर्ती लागत)	90,000 - 8,200 = 81,800
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

14. निधि की आवश्यकता -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	448900	336675	112225
2	कुल आवर्ती लागत	8,200	0	8,200
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	42,000	42,000	0
कुल		499100	378675	120425

15. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/उपकरणों का आवंटन सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. आय के अन्य स्रोत-

मधुमक्खी मोम से आय.

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण के रूप में होगा सीमा और सीसीएल के लिए है पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद चाहिए सीसीएल के माध्यम से भेजा जाएगा।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणी

अपने उत्पाद की उच्च गुणवत्ता बनाए रखते हुए और उचित विनिर्माण योजना बनाकर उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान दे सकते हैं तथा परियोजना शेष 75% का वहन करेगी।

21. समूह सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें:

सपना देवी

नीलम देवी

शारदा देवी

रीता देवी

संस्या

कमला देवी

आस्था देवी

प्रवल कुमारी

रुक्मणी

प्रियंका पठानिया

22. समूह फोटो:

स्वयं सहायता समूह का नाम:गायत्री परिवार **वीएफडीएस:**तनिहार रेंज: कमलाह वन प्रभाग: जोगिंदर नगर

23. संकल्प-सह-समूह-सहमति प्रपत्र:

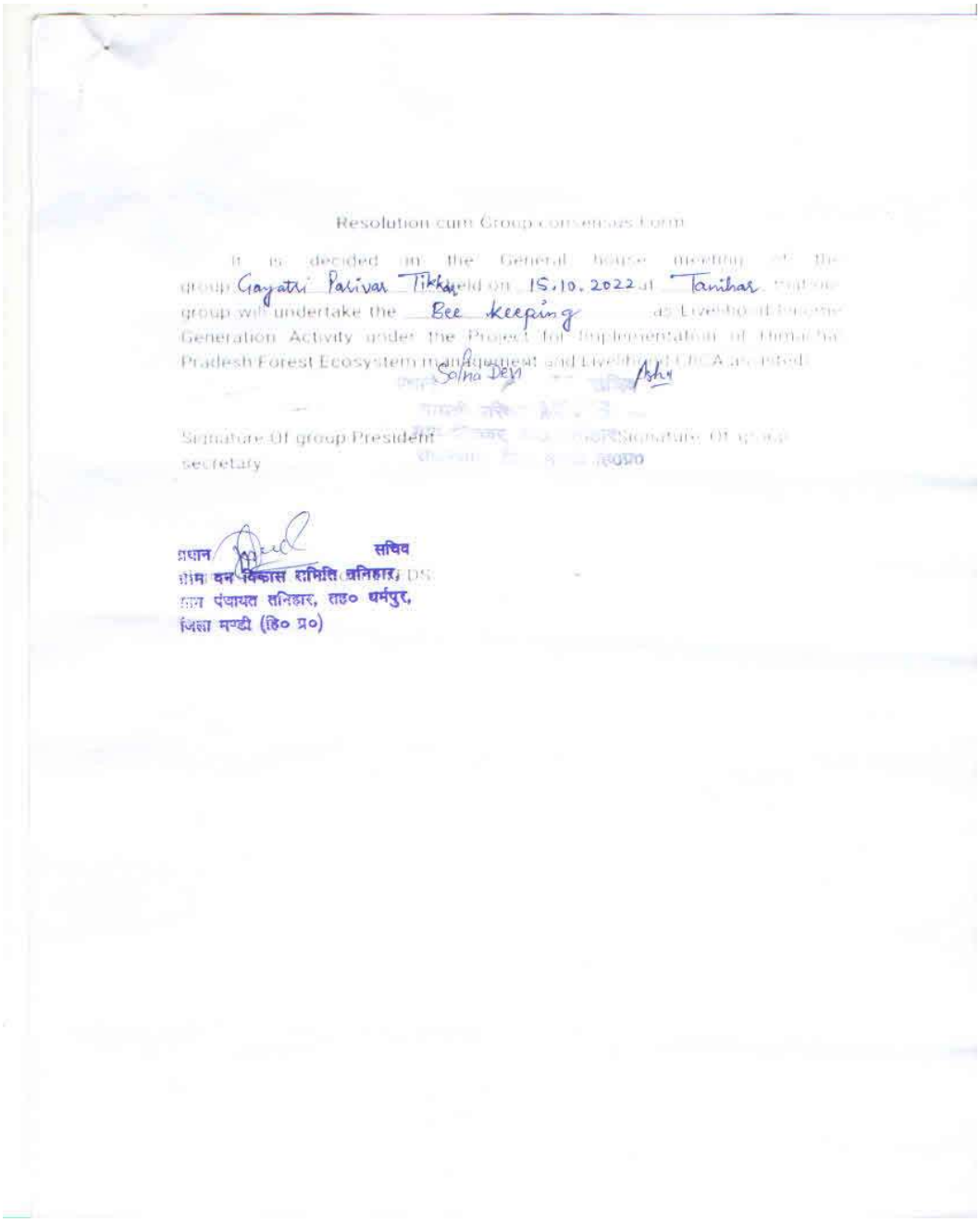

Resolution cum Group consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Gayatri Parivar Tikkar held on 15.10.2022 at Tanihar that the group will undertake the Bee keeping as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Solna Devi   Ashu

Signature Of group President   Signature Of group secretary

प्रधान   सचिव
ग्राम वन विकास समिति तनिहार, DS
ग्राम पंचायत तनिहार, तह० धर्मपुर,
जिला मण्डी (हि० प्र०)

24. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यवसाय योजना अनुमोदन:

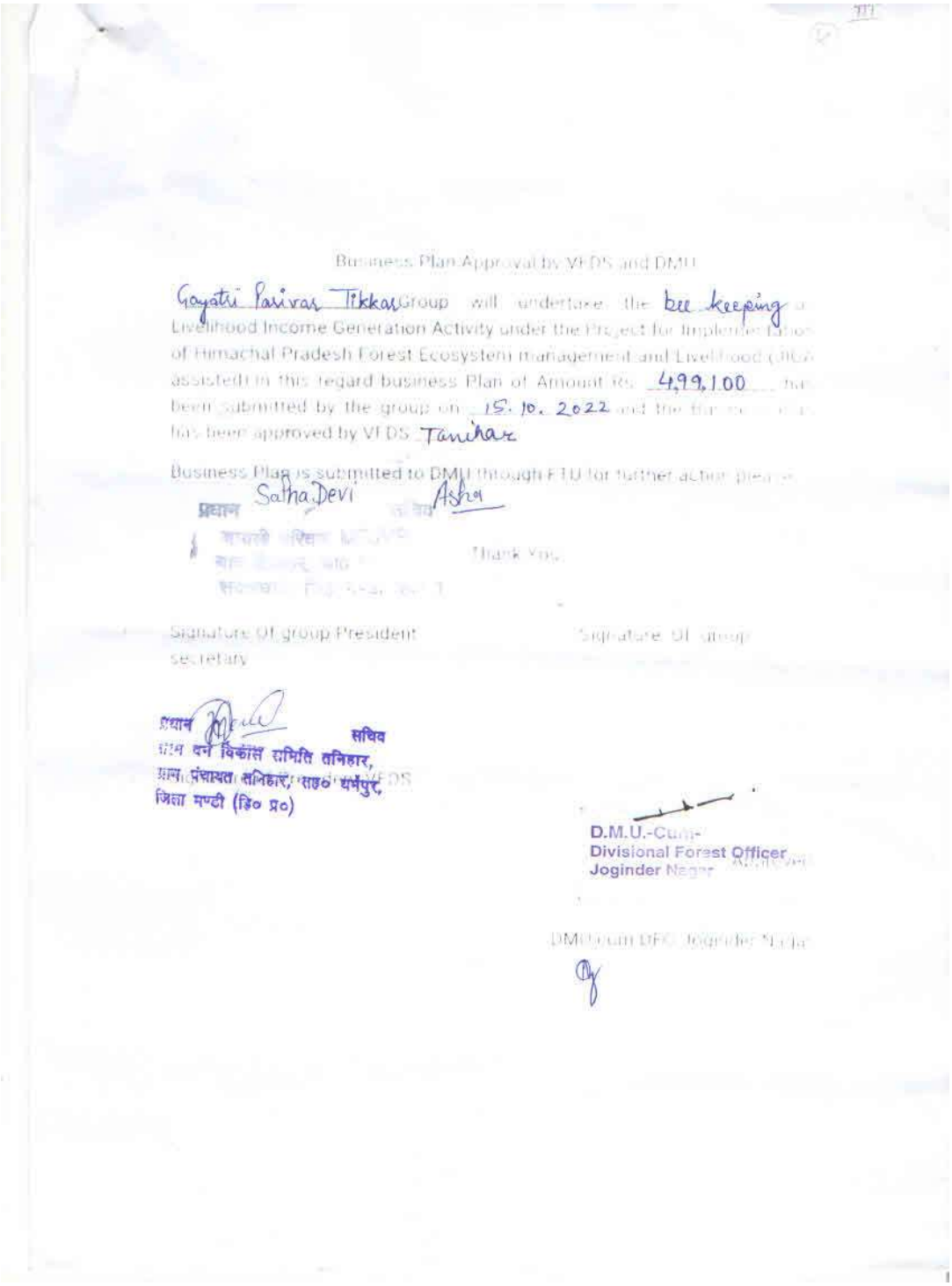

Business Plan Approval by VFDS and DMU

Gayatri Parivar Tikkar Group will undertake the bee keeping as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted) in this regard business Plan of Amount Rs 4,99,100 has been submitted by the group on 15. 10. 2022 and the [illegible] has been approved by VFDS Tanihar

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Satha Devi Asha

प्रधान सचिव

Thank You.

Signature Of group President Signature Of group secretary

प्रधान सचिव
ग्राम वन विकास समिति तनिहार,
ग्राम पंचायत तनिहार, तह० धर्मपुर,
जिला मण्डी (हि० प्र०)

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

DMU cum DFO Joginder Nagar